सार समाचार

वक्फ अंजुमन इस्लामियां स्कूल में करोना वैक्सीन का लगाया गया शिविर

रीवा। वक्फ अंजुमन इस्लामियां कमेटी घोघर रीवा के जानिब से स्कूल में सुबह 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक कोरोना वैक्सीन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग रीवा द्वारा डॉ0 मोहम्मद तारिक अंसारी, डॉ0 महेन्द्रमणि, डॉ0 उदय सिंह एवं एन.एम. फिरोज खान, एन.एम. सरोज वाजपेयी आदि स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने प्रत्येक नागरिको का पंजीयन किया तथा पंजीयन उपरान्त सभी पंजीकृत नागरिको में जिसमें महिलाए भी शामिल थी सभी ने कोरोना वैक्सीन सफलता पूर्वक लगवाया गया। इस अवसर पर वक्फ अंजुमन इस्लामिया स्कूल घोघर रीवा के अध्यक्ष एडवोकेट आफताब आलम, एडवोकेट अशफाक अहमद, हाजी अहमद हुसैन, वाहिद अली, नबीउल्ला खान, डॉ0 ताहिर, सादिक खान, एडवोकेट मंजूर अहमद, मास्टर अलीम, मो0 रफीक मंसूरी, मोहम्मद हसीन सिद्दीकी, मो0 नजीर, शाहिद खान, शबनम बेगम, मोहसिना, आफरीन एवं आशा कार्यकर्ता रूचि मिश्रा, विकास गुप्ता, शबाना सिद्दीकी, महमूदा बानो, शहीन बेगम आदि कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठन के लोगो ने सम्पूर्ण रूप से सहयोग दिया।

पूरे जिले में कोरोना कर्फ्यू का पालन कर रहे हैं लोग

नरसिंहपुर। जिलें में मंगलवार को कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के दृष्टिगत जिले में लागू कोरोना कर्फ्यू प्रभावशील है। संपूर्ण जिले में लोग कोरोना कर्फ्यू का पालन करते नजर आये। व्यापारियों ने भी अपनी सभी दुकानें बंद रख कोरोना कर्फ्यू को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई। लोग घरों में ही रहे। निर्धारित समय के लिए दूध, फल एवं सब्जी की दुकाने खुलीं। दवा दुकानें तथा अत्यावश्यक सेवाएं नियमित चालू रही।

कोविड कंट्रोल रूम स्थापित

नरसिंहपुर। जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं सतत निगरानी बनाये रखने की दृष्टि से जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक 4 में 4 अप्रैल से आगामी आदेश तक कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कोविड-19 गाइड लाइन का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों की सूचना कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 07792- 230681 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा सूचना देने वाले व्यक्ति को यथोचित रूप से पुरस्कृत भी किया जायेगा। उक्त कंट्रोल रूम के संचालन हेतु दल का गठन किया है। श्रीमती अंजना त्रिपाठी उप संचालक सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण नरसिंहपुर को कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी होंगी।

कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु माँ वाघेश्वरीदेवी मंदिर पर होने वाले आयोजन हुए निरस्त

बुरहानपुर। वार्षिक परम्परानुसार माँ वाघेश्वरीदेवी मंदिर ग्राम धामनगांव परिसर में चौत्र शुक्ल प्रतिपदा से राम नवमी तक लगने वाले मेले में पूजा, अर्चना, हवण एवं सास्कृतिक, सामाजिक, कृषि प्रदर्शन के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की जनता के लिए कि गई अपील के परिप्रेक्ष्य में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए इस वर्ष पूजा, अर्चना, हवण एवं आरती को छोड़कर सारे कार्यक्रम आम सहमति से सामाजिक हित के लिए निरस्त कर दिए गए हैं। सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि अपने-अपने घरों में पूजा, अर्चना, हवण व आरती करे। अत: सभी धर्मप्रेमी जनता से निवेदन है कि सहयोग करें। पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने माँ वाघेश्वरी देवी मंदिर संस्थान एवं मेला समिति के निर्णय को ट्रस्ट की परिपक्कता का परिचायक बताया है। श्रीमती चिटनिस ने माँ वाघेश्वरी देवी मंदिर संस्थान धामनगांव के परिसर में चौत्र शुक्ल प्रतिपदा से राम नवमी तक के किए जाने वाले सामाजिक, धार्मिक एवं जनजागृति जी गतिविधियों को निरस्त कर दिया है तथा सभी श्रद्धालुओं क्षेत्रवासियों से संकट की इस घड़ी में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

24 घंटे के अंतराल में 14 संक्रमित-संदिग्धों की मौत, कोरोना का कहर सब पर भारी

नरसिंहपुर

जिला अस्पताल में सोमवार-मंगलवार को कोरोनाकाल में अब तक की सर्वाधिक मौतें दर्ज की गईं। इन दो दिनों के 24 घंटे के अंतराल में संक्रमितों-संदिग्धों को मिलाकर कुल 14 मौतें हुईं। सुबह से देर शाम तक

नगरपालिका का शव वाहन और उसके कर्मचारी लाशों को मर्चुरी से नकटुआ मुक्तिधाम तक पहुंचाकर अंतिम संस्कार कराते रहे।

जिला अस्पताल में कोविड मरीजों के दिनरात इलाज में जुटे चिकित्सकों व यहां स्थापित बेहतर सुविधाओं के बावजूद कोरोना का कहर सब पर भारी पड़ रहा है। मंगलवार 13 अप्रेल का दिन तो जिले के एक दर्जन घरों में मातमी गूंज भरा रहा। सोमवार शाम से लेकर मंगलवार शाम तक जिला अस्पताल में कोविड के संक्रमित व संदिग्ध 14 मरीजों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इनमें से दो मरीजों ने तो मंगलवार शाम एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाते ही दम तोड़ दिया। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल रहीं। इतनी बड़ी संख्या में हुई मौत ने अस्पताल में सेवाएं दे रहे चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को भी मायूस और रुआंधा कर दिया। हालांकि इसके पूर्व भी पिछले एक हफ्ते से चार-पांच मौतें यहां हो रहीं थीं लेकिन इतनी बड़ी संख्या में लाशें देखना उनके लिए भी रोंगटे खड़े करने वाला था। जिला अस्पताल परिसर में नगरपालिका के शव वाहन लगातार मृतकों को पीपीई किट में लपेटकर नकटुआ स्थित मुक्तिधाम पहुंचाते रहे। मुक्तिधाम में स्वजनों की उपस्थिति में कोरोना गाइडलाइन के तहत शवों का अंतिम संस्कार कराया गया।

जिले में 722 व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव

जिले में 13 अप्रैल की स्थिति में कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों के 722 एक्टिव केस हैं, जिसमें ब्लाक नरसिंहपुर में 222, गोटेगांव में 49, करेली में 74, चांवरपाठा में 87, सांईखेड़ा- गाडरवारा में 141 व चीचली-सांईखेड़ा में 126 कोरोना के एक्टिव केस हैं। जिले में 12 अप्रैल तक कोविड- 19 के कुल एक लाख 11 हजार 517 सेंपल लिये गये। इन सेंपल की जांच के बाद 4846 सेंपल पॉजीटिव, एक लाख 4 हजार 168 निगेटिव व 1353 रिजेक्ट और 1107 सेंपल की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। इस तरह जिले में 4993 सेंपल पॉजीटिव पाये गये, जबकि कोरोना के 4235 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और 36 व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। इस तरह अब जिले में कोरोना पॉजीटिव के 722 एक्टिव केस हैं।

जिला चिकित्सालय में 145 बेड में से 25 रिक्त

जिला पंचायत सीईओ कमलेश कुमार भार्गव ने बताया कि 13 अप्रैल की स्थिति में कोविड- 19 से संक्रमित होने वाले व्यक्तियों के लिए जिले की 11 स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध 392 बेड में से 355 बेड रिक्त हैं। इसके साथ ही जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर (डीसीएचसी) में उपलब्ध 145 बेड में से 25 रिक्त हैं। इनमें ऑक्सीजन सपोर्ट युक्त 133 बेड शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुभाग नरसिंहपुर में कोविड केयर सेंटर पीजी कॉलेज में उपलब्ध 30 बेड में से 24, कन्या छात्रावास मगरधा में उपलब्ध सभी 50 बेड, पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक कन्या छात्रावास नरसिंहपुर में उपलब्ध सभी 50 बेड, अनुसूचित जाति बालक छात्रावास करेली में उपलब्ध सभी 15 बेड, प्रायवेट अग्रवाल हॉस्पिटल में उपलब्ध ऑक्सीजन सहित सभी 10 बेड, प्रायवेट नीखरा हॉस्पिटल में उपलब्ध ऑक्सीजन सहित सभी 30 बेड एवं प्रायवेट पराडकर हॉस्पिटल में उपलब्ध ऑक्सीजन सहित सभी 20 बेड रिक्त हैं। अनुभाग गाडरवारा में कोविड केयर सेंटर जीवन ज्योति हॉस्पिटल एनटीपीसी गाडरवारा में उपलब्ध ऑक्सीजन युक्त 25 बेड कुल 50 बेड में से 42 बेड, ट्रायबल सीनियर बालक छात्रावास गाडरवारा में उपलब्ध सभी 35 बेड, सिविल अस्पताल गाडरवारा में उपलब्ध ऑक्सीजन सहित 30 बेड में से 21 बेड रिक्त हैं।

पैसों के लेनदेन को लेकर मारा उस्तरा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नरसिंहपुर। विपतपुरा अंडर ब्रिज के पास पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक युवक को उस्तरा मारकर भागने वाले आरोपी को स्टेशनगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के जरिए जेल भेजा है। मामला ये है कि बीती एक अप्रेल को हुई घटना में पुलिस ने शिवाजी वार्ड कसाई मंडी निवासी गुड्डा प्रजापति के खिलाफ धारा 307 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। स्टेशनगंज थाना प्रभारी अमित दाणी ने बताया कि शंकर वार्ड निवासी शिवम पिता तुलसीराम कोष्ठी 26 के साथ गुड्डा का ईंट भट्टा के पैसों को लेकर कुछ विवाद था। जिसमें एक अप्रेल को गुड्डा ने शिवम को गले में उस्तरा मारकर घायल कर दिया था। घायल की शिकायत के बाद जब मामले में जांच हुई तो सामने आया कि घटना के वक्त शिवम और गुड्डा दोनों एक ही बाइक पर सवार थे और शिवम बाइक चला रहा था पीछे बैठे गुड्डा ने विपतपुरा अंडरब्रिज के पास बाइक रुकवाई और शिवम के गले में उस्तरा मारकर भाग गया। फरार आरोपी के कसाई मंडी में होने की सूचना मिलने पर थाना के एसआइ नीलेश बड़कुर और टीम ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया।

अन्नपूर्णा रसोईः उद्योगपति संजय अग्रवाल ने जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों के परिजन को परोसा भोजन

बुरहानपुर। टेक्समो पाइप्स के मैनेजिंग डायरेक्टर व समाजसेवी संजय अग्रवाल ने मंगलवार को अपने जन्मदिन पर जिला अस्पताल पहुंचकर यहां सांसद स्व. नंदकुमारसिंह चौहान की स्मृति में संचालित अन्नपूर्णा रसोई में अस्पताल में आने वाले मरीज के परिजनों को भोजन परोसा। इस दौरान श्री अग्रवाल ने कहा कि नंदु भैया की स्मृति में उनके पुत्र हर्षवर्धनसिंह चौहान द्वारा शुरू की गई यह सेवा सराहनीय है।

उन्होंने कहा मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा हो ही नहीं सकती। गौरतलब है कि उद्योगपति और समाजसेवी संजय अग्रवाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक दिन पहले सोमवार को बहादरपुर रोड स्थित टेक्समो पाइप्स फैक्ट्री में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया था। जिसमें सभी धर्मो के लोगों ने पहुंचकर 300 युनिट रक्तदान किया था। वहीं मंगलवार को जन्मदिन के अवसर पर श्री अग्रवाल जिला अस्पताल पहुंचे। यहां अपने हाथों से मरीजों के परिजन को भोजन परोसा। साथ ही कहा कि इस तरह के सामाजिक और मानव सेवा के काम करके मन को काफी आत्मिक शांति मिलती है। इस दौरान युवा नेता हर्षवर्धनसिंह चौहान, सुजयसिंह चौहान, टिल्लू उमरिया, प्रवीण शहाणे, राकेश सोमवंशी, मोहन पाटिल, सहित भाजपा नेता, कार्यकर्ता आदि मौजूद थे।

4 हजार से अधिक लोगों का कोविड वैक्सीनेशन

नरसिंहपुर। जिले की 65 स्वास्थ्य संस्थाओं में सोमवार 13 अप्रैल को 4937 नागरिकों को कोविड-19 का टीका लगाया। इसमें से 60 वर्ष से अधिक आयु के 1301 बुजुर्गों को प्रथम डोज व 308 को द्वितीय डोज दिया गया। 45 से 60 वर्ष तक की आयु वर्ग के सभी नागरिकों को टीका लगाया जा रहा है, जिसमें 3258 लोगों को प्रथम व 55 लोगों को द्वितीय डोज दिया गया। इसके साथ ही 2 फ्रंट लाइन वर्कर्स को प्रथम डोज व 5 को द्वितीय डोज और स्वास्थ्य विभाग के 8 कर्मचारियों को द्वितीय डोज लगाया गया। टीकाकरण के बाद वैक्सीन लगवाने वाले सभी व्यक्तियों को 30 मिनिट तक आब्जर्वेशन में रखा गया। स्वास्थ्य केन्द्रों में टीकाकरण के बाद टीका लगवाने वालों में कोई दुष्प्रभाव नहीं पाया गया।

केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में 205 कैदियों को कोविड- 19 के टीके लगे

नरसिंहपुर

केन्द्रीय जेल अधीक्षक श्रीमती शेफाली तिवारी के आग्रह पर कलेक्टर वेद प्रकाश के निर्देशन में मंगलवार को केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में कोविड- 19 का टीकाकरण का कार्य किया गया। केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी कैदियों को सत्र लगाकर सत्र समाप्ति के समय पर कुल 205 कैदियों को टीकाकरण किया गया। शेष कैदियों को 14 अप्रैल को टीकाकरण किया जायेगा।

टीकाकरण सत्र का निरीक्षण संयुक्त रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत केके भार्गव एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एआर मरावी द्वारा किया गया। इस दौरान उप विस्तार एवं माध्यम अधिकारी श्रीमती यशोदा बाघमारे, डाटा मैनेजर गुंजन शर्मा, पंकज वर्मा उपस्थित रहे।

कर्मचारी छात्रों को लगाई जाए वैक्सीनः मंजुल त्रिपाठी

रीवा। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन रीवा के जिला अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी के द्वारा जिला कलेक्टर, संभागीय कमिश्न एवं अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग संभाग रीवा को ई-मेल के माध्यम से ज्ञापन पत्र सौप कर यह मांग की है कि टीआरएस महाविद्यालय में लगभग आधा दर्जन से भी ज्यादा लोग प्रध्यापक सहित कोरोना से संक्रमित पाए जा चुके हैं, फिर भी स्वास्थ्य अधिकरियों द्वारा कोरोना से बचाव के लिये कोई ठोस कदम नही उठाया गया, ऐसी सूचना है की अध्यापकों के संपर्क में आने के कारण कई छात्र व उनके परिवारजन भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं, जिस वजह से महाविद्यालय में डर का माहौल व्याप्त है। छात्रों को ऑफलाइन कक्षाएं लेने एवं अपने दस्तावेज आदि कार्य के लिए महाविद्यालय आना पड़ता है किंतु महाविद्यालय में कोरोना संक्रमित व्यक्ति मिलने के बावजूद भी महाविद्यालय को सैनिटाइज नहीं किया गया, जिससे भविष्य में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक छात्र कर्मचारी भी इस महामारी से ग्रसित हो सकते हैं। जिसको देखते हुये टीआरएस महाविद्यालय को सेनीटाइज करवा कर कुछ समय के लिए महाविद्यालय को बंद किया जाए साथ ही वैक्सीन लगाने की 45 वर्ष की बाध्यता समाप्त करते हुए महाविद्यालय परिसर में कैंप के माध्यम से समस्त अध्यापकों कर्मचारियों व छात्रों को वैक्सीन लगाई जाए ताकि सभी का भविष्य सुरक्षित हो सके। मंजुल त्रिपाठी ने कहा कि जिला प्रशासन एवं महाविद्यालय प्रशासन की लापरवाही से महाविद्यालय में काफी तादात मे कोरोना से लोग संक्रमित हुये हैं, अगर समय-समय पर महाविद्यालय को सेनेटाइज करवाया जाता और महाविद्यालय के अन्दर आने वाले सभी लोगों को मास्क पहन कर प्रवेश दिया जाता हो शायद आज इस तरह की परिस्थित का सामना न करना पड़ता। एन.एस.यू.आई. ने जिला प्रशासन, महाविद्यालय प्रशासन एवं उच्च शिक्षा विभाग को यह चेतावनी दी है कि अगर जल्द से जल्द महाविद्यालय को पूरी तरह से सेनाटाइज नही कराया जाता और 45 साल की बाध्यता को खत्म कर महाविद्यालय में वैक्सीन लगाने के लिये कैम्प नही कगवाया जाता तो महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्रायें सड़क पर उतर कर उग्र प्रदर्शन करने के लिये मजबूर होगें।

रेमडिसिविर इंजेक्शन मिलने पर विधायक पटेल ने सीएम का जताया आभार

नरसिंहपुर

जिले के समस्त नागरिकों को कोरोना महामारी कोविड19 के वायरस के संक्रमण से बचाने के हर संभव प्रयासों की श्रृंखला में पूर्व राज्यमंत्री व नरसिंहपुर विधायक ने सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चोहान को एक पत्र लिखकर अपनी विधायक विकास निधि में से 18 लाख रूप्यों की राशि रेमडिशिविर इंजेक्शन की खरीदी हेतु जिला अस्पताल को दिए जाने की बात की थी। उन्होने अपने पत्र में लिखा था कि मैने उक्त राशि तो जिला चिकित्सालय को देदी गई है लेकिन बाजार में रेमडिशिविर इंजेक्शन की अनुपलब्धता के कारण ये इंजेक्शन जिला चिकित्सालय को न मिलने से मान्यनीय मुख्यमंत्री जी से उक्त इंजेक्शन उपलब्ध कराऐ जाने हेतु आग्रह किया गया था। जिसके

फलस्वरूप मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चोहान द्वारा त्वरित प्रयास करते हुए 90 रेमडिशिविर इंजेक्शन जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर को उपलब्ध कराए हैं। इसके लिए मैं नरसिंहपुर जिलेवासियों की ओर से मान्यनीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद प्रेषित करता हूँ। आशा करता हूॅ कि आगे भी जरूरत के आधार पर उक्त इंजेक्शन उपलब्ध होते रहेंगे।

विशेषज्ञ डाक्टर की सलाह पर एवं सिविल सर्जन के सिग्नेचर से इंजेक्शन लगाए जायेंगे, जिसका ऑक्सीजन 80 से 90 के बीच होगी और सीटीस्केन 10 से ऊपर होगी उसे रेमडिशिविर इंजेक्शन लगाया जावेगा। इस मौंके पर विधायक श्री पटैल न नागरिकों से भी अपील की है कि आप सभी लोग घर पर रहें, मास्क अवश्य लगाएं, एवं घर पर प्राकृतिक रूप से पर्याप्त आक्सीजन भी अवश्य लेवें और घरेलू उपचार भी आप करते रहे जिससे आप स्वास्थ्य रह सकें। माननीय मुख्यमंत्री जी का पुन: धन्यवाद व आभार। उक्त जानकारी विधायक मीडिया प्रभारी भागीरथ तिवारी द्वारा प्रेषित की गई है।

रमज़ान प्रारम्भ, कोरोना बीमारी से निज़ात के लिए करें दुआ

रीवा।

रमज़ान इस्लामी कलेण्डर का नौवां महीना है, मुस्लिम समाज इस महीने को पवित्र महीना मानता है, रमज़ान में रोज़ा रखने की बहुत बड़ी अहमियत है, शरीअत में रोज़े रखने का मतलब यह है कि आदमी सुबह सादिक से लेकर सूर्यास्त होने तक इबादत की नियत से खाने-पीने और जिमा करने से रूका रहे। दिल मे रोज़े की नियत करना फर्ज है और ज़बान से करना मुस्तहब है। उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी रीवा के अध्यक्ष मो0 शुऐब खान एवं जिला संयोजक साबिर खान अशरफी एवं अजहरूद्दीन खान अज्जू ने जारी विज्ञप्ति मे बताया कि फजीलतों, बरकतों एवं रहमत का महीना रमज़ान का पहला असरा शुरू है जो कि रहमत का है, रमज़ान को तीन हिस्सों मे बटा गया है, पहला हिस्सा रहमत, दूसरा हिस्सा मगफिरत, और तीसरा हिस्सा जहन्नम से निज़ात का है। रमज़ान के रोजे हर आकिल बालिग, मुसलमान मर्द, औरत पर फर्ज है, रमज़ान के रोज़े सन् 02 हिज़री मे फर्ज किये गये थें, इस महीने में रोज़े रखना, रात मे तरावीह की नमाज़ पढ़ना, कुरआन पाक की तिलावत करना, जकात और सदका अदा करना, बुरे कामों से दूर रहना, नेक अमल करना आदि मुख्य विशेषतायें हैं। इस महीने को माह-ए-सियाम भी कहा जाता है। मो0 शुऐब खान ने बताया कि रोज़े रखने से बहुत से जिस्मानी फायदे होते हैं, आधुनिक मेडिकल साइन्स के मुताबिक इंसानी जिस्म मे मौजूद बीमारियों के कीटाणुओं के अस्तित्व को नष्ट करने के लिये रोज़ा बेहतरीन इलाज़ है, पेट को बीमारियों का जड़ कहा जाता है, रमज़ान शरीफ मे पूरे एक माह का रोज़ा रखने से इंसान का जिस्म पाक और साफ हो जाता है, उसके उदर मे जमा होने वाली हानिकारक द्रव खुश्क हो जाती है, और इंसान की सेहत और शक्ति मे इज़ाफा हो जाता है। इस्लाम के आखिरी पैगम्बर हज़रत मोहम्मद सल्ललाहो अलैहे वसल्लम का इरशाद है कि भरपेट भोजन बीमारियों की जड़ है, और परहेज सब बिमारियों का इलाज है। रोज़े के मकरूहात - मुंह मे थूक जमा करके निगलना, पीठ पीछे बुराई करना, लड़ना झकड़ना और गाली देना, बिना जरूरत किसी चीज को चबाना, झूठ बोलना, सतरंज, ताश, जुआं वगैरह खेलना, किसी को बिला वज़ह तकलीफ देना। रोज़े के मुफ्सदात - कुल्ली करते वक्त पानी हलक तक चला जाना, जानबूझ कर मुंह भर कर कय करना, नाक और कान मे दवा या तेल डालना, दांत से निकला खून निगलना जो थूक से ज्यादा हो, सुबह सादिक के बाद सेहरी करना, जानबूझ कर मुबाशरत करना वगैरह। हम तमाम लोगों को चाहिये कि रोज़े का ऐहतराम करें, इस्लाम के बताये हुये रास्ते पर चलें और रोज़े के दौरान किसी को भी कोई तकलीफ न पंहुचायें, इस्लाम एक सादगी पदसंद मजहब है। रोज़ा इस्लाम का अहमद बुनियादी स्तम्भ है। तमाम लोगों से अपील की गई है कि रमज़ान के इस मुबारक महीने में कोरोना वायरस के बीमारी से निज़ात एवं अपने मुल्क की हिफाजत के लिये विशेष दुआ करने की अपील कमेटी के मुस्तहाक खान, मकदूम खान, हसीब खान, अजहरूद्दीन खान, साबिर खान, माजिद खान, मो0 शुऐब खान, मो0 एहसान, गुलमोहम्मद अंसारी, पेशइमाम जानमोहम्मद खान आदि ने की है।

आर.टी.ओ. विभाग में पनपता भ्रष्टाचार

रीवा। आर.टी.ओ. विभाग में ड्राइविंग लर्निग लाइसेंस से लेकर हाइवे, फ्टिनेश, परमिट जैसे कार्य होते हैं जो फीस से डबल कर्मचारियों को रिश्वत देना पड़ता है अन्यथा ऐसे चक्रव्यू में उलझा देते हैं विभागीय बाबू जिससे वेरीफिक्रेशन कराते ही महीनों बीत जाते हैं अंत में रिश्वत की फीस भी बढ़ जाती है। लोगों का कहना है कि आर.टी.ओ. विभाग में भ्रष्टचार एवं गुडाराज स्थापित हो चुका है। विगत दिनों एक व्यक्ति ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आनलाइन आवेदन कर शासकीय फीस जमा कर दिया तथा बाबुओं को घूस न देने पर पुलिस वेरीफिक्रेशन के लिए टाल दिया और व्यक्ति थाना जाकर अपना सत्यापित चरित्र प्रमाण पत्र लाकर फार्म के साथ संलग्न कर दिया उसके पश्चात उच्च महिला अधिकारी ने पुन: उस आवेदन में कमी बता कर निरस्त कर दिया कहा कि थाने से नही पुलिस अधीक्षक कार्यालय से सत्यापित करायें सलाहकार समिति के पदाधिकारी ने बताया कि आवेदन बदल कर नया आवेदन दिलाए साथ ही रिश्वत की नोट आवेदन के साथ देने पर उसका लाइसेंस बन गया ये है आर.टी.ओ. विभाग का काम आर.टी.ओ. विभाग के एक कर्मचारी अपना नाम न बताने की शर्त पर हमारे प्रतिनिधि से बताया कि एक महिला बाबू है वो फाइल को आगे बढ़ाने का दो सौ से पांच सौ रूपये लेती है इसी तरह हर खिड़की पर रेट फिक्स है अवैध वसूली का उसके एवज में लीगल हो अथवा अलीगल सभी प्रकार के काम हो रहे हैं। आर.टी.ओ. अधिकारी हमेशा आफिस के बाहर ही रहते हैं हफ्ते में दो दिन ही दो-तीन घंटे बैठेंगे और सेंटिंग वाली फाइल को पास करेंगे बांकी घूल खाती फाइलें ठंडे बस्ते में कैद हो जाती हैं हमारे प्रतिनिधि से कई एसे पीड़ित लोगों ने बताया कि रीवा जिले के तराइं अचल से आर.टी.ओ. विभाग आते है और अधिकारी के इंतजार में पूरा दिन व्यतीत हो जाता है ऐसे हफ्तों गुजर जाते हैं।